

मछुआ पुं. (देश.) मछली पकड़कर वृत्ति कमाने वाला।

मजकूर वि. (फा.) जिसके बारे में कहा गया हो या जिसका लिखित विवरण प्राप्त हुआ हो।

मजकूरी पुं. (फा.) न्यायालय से बुलाहट का पत्र (सम्मन) देने वाला चपरासी।

मजदूर संघ पुं. (फा.+तत्.) मजदूरों के हित के लिए स्थापित संस्था या परिषद्; मजदूर संघटन।

मजदूरी स्त्री. (फा.) 1. मजदूर का परिश्रम 2. मजदूर को दिया जाने वाला पारिश्रमिक या धन।

मजनूँ वि. (अर.) 1. विक्षिप्त या पागल जैसा आचरण करने वाला, जुनून से भरा व्यक्ति। पुं. उन्मुक्त प्रेमी टि. एक प्रसिद्ध प्रेम कथा 'लैला मजनूँ' का नायक जिसके विरह में संतप्त लैला ने प्राण त्याग दिए फिर दुखी मजनूँ ने भी प्राण त्याग दिए।

मजबूत वि. (अर.) पुष्ट, दृढ़, उत्तम, बलिष्ठ, स्वस्थ; शारीरिक, आर्थिक, बौद्धिक सभी दृष्टिकोण से उत्तम स्थिति वाला।

मजबूर वि. (अर.) जो स्वयं के वश में न हो, परवश, लाचार।

मजबूरन क्रि.वि. (तद्.) विवशता की स्थिति में, लाचारी में।

मजबूरी स्त्री. (अर.) पश्वशता, विवशता, लाचारी।

मजमा पुं. (अर.) लोगों का एकत्र होना, भीड़, जमघट।

मजमून पुं. (अर.) किसी आलेख का विवरण, निबंध या लेख।

मजलिस स्त्री. (अर.) लोगों की एकत्रित गोष्ठी या समूह, सभा, समिति।

मजहब पुं. (अर.) धार्मिक संप्रदाय, पथ, मत।

मजा पुं. (फा.) 1. जिससे आनंद हो, सुख-भोग मुहा. मजा आना- आनंद मिलना।

मजायह सं.वि. 1. मल-नाशक 2. पापनाशक।

मझ पुं. (तद्.) मध्य टि. 'मझ' शब्द का प्रयोग विशेषण तथा क्रिया विशेषण रूप में भी होता है।

मझक्का पुं. (तद्.) वर पक्ष द्वारा विवाह के पश्चात दुल्हिन के घर जाकर की जाने वाली मुँह-देखनी रस्म।

मझरासिंगही पुं. (देश.) बैलों की एक विशिष्ट जाति।

मझारै/मझारी अ.क्रि. (तद्.) बीच में उदा. 'बन-बन ढूँढत गाँउ मझारै -सूरसागर, 10/984।

मझिया स्त्री. (तद्.) पट्टियाँ जो गाड़ी, सगगड़ (छोटी बैलगाड़ी) आदि के पेंदे में लगी रहती हैं।

मझियाना स.क्रि. (तद्.) किसी वस्तु को बीच में ले जाना स.क्रि. नाव खेना।

मझियारा वि. (तद्.) 1. मध्य संबंधी 2. जो मध्य में स्थित हो, बीच का 3. मझला।

मझु सर्व. (तद्.) 1. मैं 2. मेरा।

मझुआ पु. (तद्.) हाथों में पहने जाने वाली मठिया नामक चूड़ी जो कोहनी की ओर से दूसरे स्थान पर पछेला के बाद पहली जाती है।

मझेरू पुं. (तद्.) जुलाहों के पास रहने वाली उड़ी नामक औजार की लकड़ी।

मझेला पुं. (देश.) मोची द्वारा प्रयोग में आने वाली सूजा जिससे वे जूते के तले सीते हैं पुं. झमेला।

मझोला वि. (तद्.) 1. मध्यम आकार का, न बहुत ही छोटा न ही बहुत बड़ा 2. मध्य या बीच का, मझला।

मझोली स्त्री. (तद्.) 1. एक ऐसी बैलगाड़ी जिसमें प्रायः स्त्रियाँ ही सवारी करती हैं 2. टेकुरी की तरह का एक औजार जिससे जूते की नोक सी जाती है।

मट पुं. (देश.) 1. मटका 2. व्या. 'मिट्टी' का अर्थ प्रकट करने वाला संक्षिप्त उपसर्ग रूप जो कि समस्त पदों के आरंभ में लगता है जैसे- मट-मैला।